Result Mitra Daily Magazine

टर्नर पुरस्कार

➢ चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में 4 दिसंबर को भारतीय मूल की कलाकार जसलीन कौर को एक प्रदर्शनी के लिए कला जगत के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक "टर्नर पुरस्कार" प्रदान किया गया है।
- जसलीन कौर को ग्लासगो शहर के समकालीन कला स्थल ट्रामवे में लगाई गई उनकी ऑल्टर–ऑल्टर प्रदर्शनी के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया।
- जसलीन कौर ने अपनी इस प्रदर्शनी में पुरानी फोर्ड एस्कॉर्ट कार, पूजा की घंटियों और इर्न–ब्रू का उपयोग किया जो व्यक्तिगत, राजनीतिक और आध्यात्मिक पहलुओं को एक साथ पिरोकर तैयार किया गया था।
- भारतीय मूल की जसलीन कौर सिख समुदाय से आती है और स्कॉटलैंड में रहती है।

➢ टर्नर पुरस्कार क्या है ?

- टर्नर पुरस्कार प्रख्यात ब्रिटिश चित्रकार जेएम–डब्ल्यू टर्नर (1775–1851) के स्मृति स्वरूप प्रदान किया गया है।
- यह पुरस्कार विश्व स्तर पर काम करने वाले ब्रिटिश कलाकार या ब्रिटेन में रहने वाले अप्रवासी को दिया जाता है।

- जेएम डब्ल्यू टर्नर को समुद्र और प्रकाश के नाटकीय चित्रण के चित्रों के लिए जाना जाता है, जिसकी कई कृतियां सूर्यास्त के लाल और पीले रंग को बहुत विस्तार से दिखाती हैं।
- टर्नर को आधुनिक कला के जनक के रूप में वर्जित किया जाता है, जो आधुनिक दुनिया के महानतम चित्रकारों के रूप में अपना नाम रखते हैं।
- टर्नर पुरस्कार की स्थापना "पैट्रंस ऑफ न्यू आर्ट" नामक समूह द्वारा की गई।
- टर्नर पुरस्कार पहली बार 1984 में प्रदान किया गया था।
- टर्नर पुरस्कार विजेता के चयन के लिए "पैट्रंस ऑफ न्यू आर्ट" प्रत्येक वर्ष एक नए पैनल का चयन करता है, जिसमें निदेशक, क्यूरेटर, आलोचक, लेखक शामिल होते है और इनमें से कम से कम एक सदस्य विदेश से संबंधित होते हैं।
- टर्नर पुरस्कार के तहत चुने गए मुख्य विजेताओं को 25,000 यूरो और अन्य चुने गए कलाकारों को 10,000 यूरो की पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है।
- जसलीन कौर से पहले टर्नर पुरस्कार जीतने वाले एकमात्र अन्य भारतीय मूल के मूर्तिकार अनीश कुमार थे, जिन्हें 1991 में इस पर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- सर्वप्रथम 1984 में टर्नर पुरस्कार "मैल्कम मोर्ले" को प्रदान किया गया था।

➢ जेएमडब्ल्यू टर्नर :

- जोसेफ मैलॉर्ड विलियम टर्नर या विलियम टर्नर का लंदन में एक साधारण परिवार में हुआ था।
- 14 वर्ष की उम्र में टर्नर ने 1789 ई. रॉयल एकेडमी ऑफ आर्ट्स में दाखिला लिया एवं अध्ययन किया।
- आगे चलकर टर्नर प्रकृति से प्रेरित चित्रकला में पारंगत हासिल कर ली।
- टर्नर की शुरुआती चित्रकला जहाजों के डूबने, आग लगने, सूरज की रोशनी, तूफान, बारिश जैसे प्राकृतिक घटनाओं से प्रेरित था।
- टर्नर ने अपनी पेंटिंग की विशिष्ट शैली में तेल के रंगों के साथ–साथ जल रंग तकनीक का उपयोग किया।
- टर्नर की प्रमुख चित्रकला में फिशरमैन कॉटेज डोवर, द एंगलर (1794), डच नावें (1801), कैलाइस पियर (1803), स्नो स्टॉर्म (1812), वाटरलू का मैदान (1818) प्रमुख है।

➢ टर्नर पुरस्कार क्या खास बनाता है ?

- टर्नर पुरस्कार को वैचारिक, विद्रोही और पारंपरिक तरीकों और माध्यमों को चुनौती देने वाली कला की वकालत करने वाले एक आदर्श पुरस्कार के रूप में जाना जाता है।

- इस पुरस्कार ने उत्तर–आधुनिकतावाद एवं 20वीं सदी के कला आंदोलन का समर्थन किया एवं कला की पारंपरिक समझ को खारिज कर दिया।

➢ ब्रिटिश संस्कृति में टर्नर पुरस्कार :

- टर्नर पुरस्कार प्राप्त करने वाले विजेता काफी लोकप्रिय हो जाते है एवं उनकी चित्रकला अधिक कीमतों पर बेची जानी शुरू हो जाती है।